(हिन्दी दैनिक)

R.N.I. No. Utthin/2018/76731

(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)

दि ग्राम टुडे

उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित

वर्ष : 04 अंक : 88 | देहरादून, सोमवार 17 अक्टूबर 2022 | पृष्ठ : 12

विश्व खाद्य दिवस पर खास..

स्वस्थ रहने के लिए पोषकीय भोजन के साथ शारीरिक श्रम आवश्यक : कुलपति डॉ. डी.आर.सिंह

दि ग्राम टुडे, संवाददाता।

कानपुर।चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने बताया कि आज दिनांक 16 अक्टूबर 2022 को विश्व खाद्य दिवस विश्व के अधिकांश देशों में मनाया जाता है।उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व खाद्य दिवस की थीम है लीव नो वन बिहाइंड यानी किसी को पीछे न छोड़े है। उन्होंने कहा कि विश्व भर में 150 से अधिक देशों में प्रति वर्ष विश्व खाद्य दिवस मनाया जाता है। डॉक्टर सिंह ने बताया कि इस दिन को मनाने का उद्देश्य वैश्विक

भुखमरी से निपटना और उसे पूरी दुनिया से खत्म करना है ताकि कोई भी इंसान भूखा व कुपोषित न रहे। कि खाद्य पदार्थों को खाने से पहले उसमें उत्पादन,प्रसंस्करण, भंडारण, वितरण तैयारी तक खाद्य श्रंखला का हरचरण लोगों की सेहत के लिहाज से सुरक्षित हो।इसी उद्देश्य के साथ यह दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के भूख एवं कुपोषण से पीड़ित लोगों की दशा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना और कुपोषण तथा भुखमरी की समस्या से निपटने के लिए व्यापक योजना शुरू करना इसके प्रमुख उद्देश्य हैं। उन्होंने कहा कि विश्व खाद्य दिवस सर्वप्रथम 16 अक्टूबर 1981 को आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दूषित खाद्य या बैक्टीरिया युक्त खाद्य से हर साल 10 में से एक व्यक्ति बीमार होता है। उन्होंने यह भी बताया कि विश्व भर में बीमारों का यह आंकड़ा लगभग 60 करोड़ पार है जिसमें से 30 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। मृत्यु के इस आंकड़े को कम करने के लिए ही खाद्य सामग्रियों की गुणवत्ता के प्रति विशेष ध्यान दिया जाता है।

और लोगों को जागरूक किया जाता है। निदेशक प्रसार ध्समन्वयक डॉक्टर ए के सिंह ने बताया कि बीविश्वविद्यालय के अधीन समस्त कृषि विज्ञान केंद्रों में आज विश्व खाद्य दिवस मनाया गया है।

स्वस्थ रहने के लिए पोषकीय भोजन के साथ शारीरिक श्रम आवश्यक

दूषित खाद्य भोजन से हर साल बीमार होते हैं लाखों लोग

कानपुर, 16 अक्टूबर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डा डीआर सिंह ने बताया कि आज दिनांक 16 अक टूबर-2022 को विश्व खाद्य दिवस विश्व के अधिकांश देशों में मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व खाद्य दिवस की थीम है स्द्गड्ड1द्द ह्य ल्ठ्ठद्ग ढ्ढद्धद्धठ्ठस्र यानी किसी को पीछे न छोड़े है। उन्होंने कहा कि विश्व भर में 150 से अधिक देशों में प्रति वर्ष विश्व खाद्य दिवस मनाया जाता है। डॉ सिंह ने बताया कि इस दिन को मनाने का उद्देश्य वैश्विक भुखमरी से निपटना और उसे पूरी दुनिया से खठम्म करना है ताकि कोई भी इंसान भूखा व कुपोषित न रहे। कि खाद्य पदार्थों को खाने से पहले उसमें उठपादन,प्रसंस्कर भंडार वितरण तैयारी तक खाद्य श्रंखला का हरचर लोगों की सेहत के लिहाज से सुरक्षित हो। इसी उद्देश्य के साथ यह दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के भूख एवं कुपोषण से पीड़ित लोगों की दशा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना और कुपोषण तथा भुखमरी की समस्या से निपटने के लिए व्यापक योजना शुरू करना इसके प्रमुख उद्देश्य हैं। उन्होंने कहा कि विश्व खाद्य दिवस सर्वप्रथम 16 अक्टूबर 1981 को आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्य संगठन के मुताबिक दूषित खाद्य या बैक्टीरिया युक्त खाद्य से हर साल 10 में से एक व्यक्ति बीमार होता है। उन्होंने यह भी बताया कि विश्व भर में बीमारों का यह आंकड़ा लगभग 60 करोड़ पार है जिसमें से 30 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। मृत्यु के इस आंकड़े को कम करने के लिए ही खाद्य सामग्रियों की गुणवत्ता के प्रति विशेष ध्यान दिया जाता है। और लोगों को जागरूक किया जाता है। निदेशक प्रसार/समवयक डॉ. ए के सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के अधीन समस्त कृषि विज्ञान केंद्रों में आज विश्व खाद्य दिवस मनाया गया है।

वीसी डा. डीआर सिंह

पोषकीय भोजन के साथ शारीरिक श्रम आवश्यक : कुलपति

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने बताया कि विश्व खाद्य दिवस विश्व के अधिकांश देशों में मनाया जाता है।उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व खाद्य दिवस की थीम है यानी किसी को पीछे न छोड़े है। उन्होंने कहा कि विश्व भर में 150 से अधिक देशों में प्रति वर्ष विश्व खाद्य दिवस मनाया जाता है। डॉक्टर सिंह ने बताया कि इस दिन को मनाने का उद्देश्य वैश्विक भुखमरी से निपटना और उसे पूरी दुनिया से खत्म करना है ताकि कोई भी इंसान भूखा व कुपोषित न रहे। कि खाद्य पदार्थों को खाने से पहले उसमें उत्पादन,प्रसंस्करण, भंडारण, वितरण तैयारी तक खाद्य श्रंखला का हरचरण लोगों की सेहत के लिहाज से सुरक्षित हो।इसी उद्देश्य के साथ यह दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के भूख एवं

कुपोषण से पीड़ित लोगों की दशा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना और कुपोषण तथा भुखमरी की समस्या से निपटने के लिए व्यापक योजना शुरू करना इसके प्रमुख उद्देश्य हैं। उन्होंने कहा कि विश्व खाद्य दिवस सर्वप्रथम 16 अक्टूबर 1981 को आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दूषित खाद्य या बैक्टीरिया युक्त खाद्य से हर साल 10 में से एक व्यक्ति बीमार होता है। उन्होंने यह भी बताया कि विश्व भर में बीमारों का यह आंकड़ा लगभग 60 करोड़ पार है जिसमें से 30 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। मृत्यु के इस आंकड़े को कम करने के लिए ही खाद्य सामग्रियों की गुणवत्ता के प्रति विशेष ध्यान दिया जाता है। और लोगों को जागरूक किया जाता है। निदेशक प्रसार /समन्वयक डॉक्टर ए के सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के अधीन समस्त कृषि विज्ञान केंद्रों में आज विश्व खाद्य दिवस मनाया गया है।

आज कानपुर 17/10/2022

50 किसानों का दल दिल्ली रवाना

दो दिवसीय कार्यक्रम में भाग लेने गये किसान

किसानों के दल को हरी झंडी दिखाते डॉ एके सिंह।

कानपुर, 16 अक्टूबर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर की ओर से 50 किसानों का जत्था किसान सम्मान सम्मेलन-2022 नई दिल्ली में प्रतिभाग हेतु निदेशक प्रसार/ समवयक डॉ एके सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मेला ग्राउंड आईएआरआई नई दिल्ली में पीएम किसान सम्मान सम्मेलन- 2022 नामक दो दिवसीय कार्यक्रम का उदघाटन पीएम नरेंद्र मोदी करेंगे और किसानों, कृषि स्टार्टअप, शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं, बैंकर और अन्य हित कारकों को संबोधित करेंगे। कानपुर जनपद के पांच विकास खंडों से 50 किसान से अधिक किसान नई तकनीकों को सीखेंगे। जिससे अपनी खेती बाड़ी में प्रयोग कर लाभाविंत होंगे। किसानों का नेतृत्व कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ विनोद प्रकाश कर रहे हैं। इस अवसर पर डॉ. रामप्रकाश, डॉ पीके राठी, डॉ अरुण कुमार सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण कानपुर 17/10/2022

विश्व खाद्य दिवस मनाया

कानपुर : सीएसएवि और संबद्ध कृषि विज्ञान केंद्रों में विश्व खाद्य दिवस का आयोजन किया गया। कुलपति डा. डीआर सिंह ने बताया कि इस वर्ष विश्व खाद्य दिवस की थीम 'लीव नो वन बिहाइंड' रखी गई है। इसका मतलब है कि किसी को पीछे न छोड़ें। निदेशक प्रसार डा. एके सिंह ने बताया कि खाद्य दिवस पर किसानों को गुणवत्तापूर्ण उत्पादन के लिए जागरूक किया जा रहा है। वि.

राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • सोमवार • 17 अक्टूबर • 2022

एम कृषक सम्मान सम्मेलन' में शामिल होने के लिए 50 किसान दिल्ली रवाना

ों को बस से पीएम कृषक सम्मान सम्मेलन के लिए झंडी दिखाकर रवाना करते प्रसार निदेशक।

ुर। जिले के पांच विकास खंडों से ा 50 किसानों के जत्थे को रविवार को ' में आयोजित ' पीएम कृषक सम्मान नन-2022' में भागीदारी कर खेती- ी की नई तकनीक सीखेंगे। सीएसए ्वं प्रौद्योगिकी विवि के अधीन संचालित ागर कृषि विज्ञान केन्द्र के संयोजन में ों के जत्थे को वस से रवाना किया गया। ो हरी झंडी विवि के निदेशक प्रसार ; सिंह ने दिखाई।

नई दिल्ली स्थित आईएआरआई परिसर में आयोजित दो दिवसीय ' पीएम किसान सम्मान सम्मेलन' का उद्घाटन पीएम मोदी करेंगे। पीएम किसानों, कृषि स्टार्टअप, शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं,वैंकर व अन्य हित धारकों से विचार भी साझा करेंगे। किसानों के जत्थे को कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.विनोद प्रकाश की अगुवाई में भेजा गया है। यहां डॉ. राम प्रकाश, डॉ. पीके राठी व डॉ. अरुण कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण कानपुर 17/10/2022

किसान सम्मेलन में हिस्स लेगा सीएसएवि का दल

कानपुर : सीएसएवि के कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर की ओर से 50 किसानों का दल नई दिल्ली में आयोजित हो रहे किसान सम्मान सम्मेलन 2022 में हिस्सा लेगा। रविवार को विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशक डा. एके सिंह ने इस दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। डा. सिंह ने बताया कि आइएआरआइ के मेला ग्राउंड में प्रधानमंत्री सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। वि.

हिंदुस्तान कानपुर 17/10/2022

50 किसानों का समूह दिल्ली के लिए रवाना

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर की ओर से 50 किसानों का समूह नई दिल्ली में आयोजित किसान सम्मान सम्मेलन में प्रतिभाग करेगा। रविवार को विवि के निदेशक प्रसार डॉ. एके सिंह ने हरी झंडी दिखाकर उन्हें रवाना किया। दो दिवसीय पीएम किसान सम्मान सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री करेंगे।

WORLD खबर EXPRESS

WORLD खबर एक्सप्रेस

रविवार 16 अक्टूबर 2022 | अंक - 273

www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

www.twitter.com/worldkhabarexpress www.facebook.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress MID DA

पहुंचने की उम्मीद है। 19 और 20 दौरान छिटपुट बारिश हो सकती है। शीतलहर का इम्पैक्ट आ सकता है। इसका असर कानपुर सहित पूरे यूपी- आसार है।

विश्व खाद्य दिवस

स्वस्थ रहने के लिए पोषकीय भोजन के साथ शारीरिक श्रम आवश्यक: कुलपति

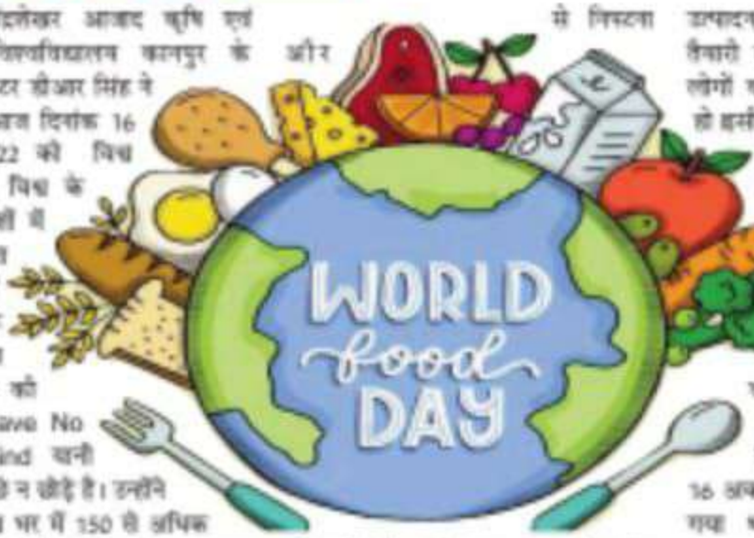

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने बताया कि आज दिनांक 16 अक्टूबर 2022 को विश्व खाद्य दिवस विश्व के अधिकांश देशों में मनाया जाता हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व खाद्य दिवस की थीम है Leave No One Behind यानी किसी को पीछे न छोड़े है। उन्होंने कहा कि विश्व भर में 150 से अधिक देशों में प्रति वर्ष विश्व खाद्य दिवस मनाया जाता है। डॉक्टर सिंह ने बताया कि इस दिन को मनाने का उद्देश्य वैश्विक भुखमरी से निपटना और उसे पूरी दुनिया से खत्म करना है ताकि कोई भी इंसान भूखा व कुपोषित न रहे। कि खाद्य पदार्थों को खाने से पहले उसमें उत्पादन,प्रसंस्करण, भंडारण, वितरण तैयारी तक खाद्य शृंखला का हरचरण लोगों की सेहत के लिहाज से सुरक्षित हो इसी उद्देश्य के साथ यह दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के भूख एवं कुपोषण से पीड़ित लोगों की दशा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना और कुपोषण तथा भुखमरी की समस्या से निपटने के लिए व्यापक योजना शुरू करना इसके प्रमुख उद्देश्य हैं। उन्होंने कहा कि विश्व खाद्य दिवस सर्वप्रथम 16 अक्टूबर 1981 को आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दूषित खाद्य या बैक्टीरिया युक्त खाद्य से हर साल 10 में से एक व्यक्ति बीमार होता है। उन्होंने यह भी बताया कि विश्व भर में बीमारी का यह आंकड़ा लगभग 60 करोड़ पार है जिसमें से 30 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। मृत्यु के इस आंकड़े को कम करने के लिए ही खाद्य सामग्रियों की गुणवत्ता के प्रति विशेष ध्यान दिया जाता है। और लोगों को जागरूक किया जाता है। निदेशक प्रसार /समन्वयक डॉक्टर एकेसिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के अधीन समस्त कृषि विज्ञान केंद्रों में आज विश्वखाद्य दिवस मनाया गया है।